बहुत हुआ

Page No 35:

Question 1:

(क) बारिश कहनेपि तुम्हाि ेमनमेंकौन-कौन सेशब्द आतेहैं?सोचो औि लिखो।

……

……

(ख) जब बहुत बारिश होनेि गती हैतब तुमकहाँखेि तीहो? कौन-कौन सेखेि खेि ती हो?

……
……..

……
……..

……
……..

(ग) खूबतेज़बारिश होगी तो तुम्हाि ेघिकेआसपास कै सालिखाई ि ेगा?

(घ) बारिश मेंलकतना पानी बिसता है?वह सब पानी कहाँ-कहाँजाता होगा? (ङ)

येसब बारिश सेबचनेकेलिए क्या किंगे?बताओ।

-लोग

-कबूतर

-कें चुआ

-कु त्ता

-मछली

-मोर

Answer: (क) बादल, पानी, ररमझिम, बू ँदे,कागज़की नाव इत्याझद शब्द मन मेंआतेहैं।

(ख) जब बहुत बाररश होती है,तो हम अपनेघर केअंदरखेलतेहैं।जैसे-लूडो,झवझडयो गेम,घर-घर, व्यापार, गुझडयोंकाखेलइत्याझद।

(ग) खूबतेज़बाररश होगी, तो चारोंऔर बाररश ही बाररश झदखाई देगी।इतनी तेज़बाररश मेंलोग भीग रहेहोंगे।गड्ढेपानी सेभर जाएँपेड़गे।-पौधेहवा और बाररश केज़ोर सेलहरा रहेहोंगे।

(घ) बाररश मेंऔसतन एक झदन में25सेंटीमीटरकेकरीब पानी बरसता है।वह पानी नदी, नालों, खेतोंआझद मेंचला जाता है।

(ङ) येसब बाररश सेबचनेकेझलए झनम्न काययकर सकतेहैं-लोग- छातेया रेनकोटलेंगे।

कबूतर– झकसी खखड़की या ओट का सहारा लेंगे।

कें -चुआझमट्टी मेंगहराई तक घुसजाएगा।

कु त्ता-झकसी आँगनयापेड़केनीचेबैठजाएगा।

मछली- गहराई मेंचली जाएगी।

मोर- पेड़केनीचेचलेजाएँगे।

Page No 36:

Question 1: कलवता मेंऐसा क्योंकहा गया होगा?

(क) तेज़बारिश होनेपि सड़केंनिी बन जाती हैं। (ख) सब

ओि कीचड़ होनेपि नानी याि आती है।

Answer: (क) तेज़बाररश होनेपर सड़कोंमेंसेपानी की झनकासी नहींहो पाती है।झजसके कारण बरसात का पानी सड़कोंपर भर जाता है।इसझलए नदी जैसापानी वहा ँझदखाई देनेलगता है।कझवता मेंऐसा इसझलए कहा गया हैझक तेज़बाररश होनेपर सड़केंनदी बन जाती हैं।

(ख) बाररश मेंपानी केकारण कीचड़ हो जाता है,ऐसेमेंचलनेवालोंको बहुत तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।उनकेकपड़े,जूतेगंदेहोजातेहैं।उन्हेंबार-बार बदलना संभवनहीं होता। इसझलए कझवता मेंकहा गया हैझक सब ओर कीचड़ होनेपर नानी याद आती है।

Question 1: बड़ेि ोग ऐसा कब कहतेहैं-

- **बहुत हुआ, अब चुपचापबैठो!**

जब हम .....

- **बहुत हुआ, अब अ ोंचिो!**

जब हम .....

- **बहुत हुआ, अब सो जाओ!**

जब हम ....

- **बहुत हुआ, अब टी.वी. बंद करो!**

जब हम ....

Answer:

- बहुत हुआ, अब चुपचाप बैठो!

जब हम बोलते रहते हैं और चुप ही नहीं होते।

- बहुत हुआ, अब अंदर चलो!

जब हम किसी से बात नहीं करने देते या हमें चोट लग जाती है।

- बहुत हुआ, अब सो जाओ!

जब हम पढ़ने के स्थान पर शैतानी कर रहे होते हैं।

- बहुत हुआ, अब टी.वी. बंद करो!

जब हम बहुत देर तक टी.वी. देख रहे होते हैं।

Page No 37:

Question 1: एक दिन बादल ने सोचा, मैं अब कभी नहीं बरसूँगा। जब मैं बरसता हूँ, तब भी लोग मेरी बुराई करते हैं। जब नहीं बरसता हूँ, तब भी मेरी बुराई करते हैं। आज से बरसना बिल्कुल बंद। क्या हुआ होगा? कहानी को आगे बढ़ाओ।

Answer: बादल जब बहुत दिनों तक नहीं बरसा, तो पानी नहीं बरसने के कारण लोग परेशान होने लगे। किसानों की खड़ी फसल पानी की कमी से सूखने लगी। लोग गर्मी से परेशान होने लगे। नदियों में भी पानी सूखने लगा। चारों ओर कोहराम मचने लगा। फिर क्या था लोगों ने मिलकर बादल को मनाने की सोची। वे सब बादल के पास गए और उससे अपनी गलती के लिए माफी माँगी। बादल लोगों की प्रार्थना से पिघल गया और उसने तुरंत ही वर्षा कर लोगों को सूखे और गर्मी से मुक्ति दिलाई।

Question 1: कविता के साथ जो चित्र दिया गया है, उसमें कौन क्या कर रहा है?

एक बच्चा	**..........चित्र बना............**	**रहा है।**
दूसरा बच्चा	**..................................**	**रहा है।**
बिल्ली	**..................................**	**रही है।**
आदमी	**..................................**	**रहा है।**

एक बच्ची ..... ि◌ही है।

कु त्ता ..... ि◌हा है।

तुमने ि◌खालक लचत्र मेंकईकाम हो ि◌हेहैं।इनवाक्योंमेंजोशब्द लकसी काम केबाि◌े मेंबता ि◌हेहैंउनकेनीचेि◌े खाखींचो।इन्हेंकाम वाि◌े शब्द कहतेहैं।

Answer:

एक बच्चा	झचत्र बना	रहा है।
दूसराबच्चा	छाता पकड़	रहा है।
झबल्ली	खखड़की मेंबैठ	रही है।
आदमी	छाता पकड़कर बाररश मेंचल	रहा है।
एक बच्ची	टब मेंनाव चला	रही है।
कु त्ता	शरीर पर लगा पानी ि◌ाड़	रहा है।